विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -07-08-2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज साँप की मणि नामक शीर्षक के बारे में अध्ययन करेंगे।

मैं जब जहाज़ पर नौकरी करता था तो एक बार कोलंबो भी गया था। बहुत दिनों से वहाँ जाने को मन चाहता था, खासकर रावण की लंकापुरी देखने के लिए कलकत्ते से सात दिन में जहाज कोलंबो पहुँचा। मेरा एक दोस्त वहां किसी कारखाने में काम करता था, मैंने पहले ही उसे खत लिख दिया था। वह घाट पर आ पहुंचा। हम दोनों गले मिले और कोलंबों की सैर करने चल दिए। जहाज़ वहां चार दिन रुकने वाला था। मैंने कप्तान साहब से चार दिन की छुट्टी ले ली थी।

जब हम दोनों खा-पी चुके, तो गपशप होने लगी। वहाँ के सीप और मोती की बात छिड़ गई। मेरे दोस्त ने कहा-"यह सब चीजें तो यहाँ समुद्र में निकलती

ही है और आसानी से मिल जायेंगी, मगर मैं तुम्हें एक ऐसी चीज़ दूंगा जो शायद तुमने कभी न देखी हो । हाँ, उसका हाल किताबों में पढ़ा होगा।

मैंने ताज्जुब से से पूछा-"वह कौन-सी चीज है ?" साँप का मणि।"

मैं चौंक उठा और बोला-"साँप का मणि उसका जिक्र तो मैंने किस्से-कहानियों में सुना है और यह भी सुना है कि उसकी कीमत सात बादशाहों के

बराबर होती है। क्या साँप का असली मणि

वह बोले-"हां भाई, असली मणि । तुम्हें मिल जाय तब तो मानोगे"। मुझे विश्वास न हुआ। वह फिर बोले-"यहाँ पचासों किस्म के सांप हैं, मगर मणि एक ही तरह के साँपों के पास होती है। उसे कालिया कहते हैं। यह बात

सच है कि यह चीज़ मुश्किल से मिलती पचासों में शायद एक के पास निकले । मगर मिलती जरूर है"। मैंने सुना था कि सॉप मणि को अपने सिर पर रखता है, मगर गलत निकली। मेरे दोस्त ने कहा-"यह चीज़ उसके मुँह में होती है"।

मैंने पूछा-"तो मुँह के अन्दर से चमक कैसे नज़र आती है !"

दोस्त ने हँसकर कहा-"जब उसे रोशनी की ज़रूरत होती है, तो वह किसी साफ़ पत्थर पर उसे सामने रख देता है। उस वक्त ज़रा भी खटका हो तो वह

झट उसे मुँह में दबाकर भाग जाता है। उसकी आदत है कि जहाँ एक बार मणि को निकालता है, वहीं बार-बार आता है। मैं आज ही अपने आदमियों से कह देता हूँ और वो लोग कहीं न से ज़रूर खबर लायेंगे"। न-कहीं से

दो दिन गुजर गये, तीसरे दिन शाम को मेरे दोस्त ने मुझसे कहा-"लो भाई, मणि का पता चल गया। मैं झट उठ खड़ा हुआ और अपने दोस्त के साथ बाहर आया तो यह आदमी खड़ा था, जो मणि की खबर लाया था। वह कहने लगा-अभी मैं एक सॉप

रहा हूँ। अगर आप इसी वक्त चलें, तो मणि हाथ आ सकता है। हम फौरन उसके साथ चल दिये थोड़ी देर में हम एक को मणि से खेलते देखकर आ जंगल में पहुँचे। उस आदमी ने एक तरफ़ उंगली से इशारा करके कहा-"वह देखिए, साँप मणि रखें बैठा है"। मैंने उस तरफ़ देखा तो सचमुच कोई 20

गज की दूरी पर एक साँप फन उठाये बैठा है और उसके आस पास उजाला हो रहा है।